आखिरी चरण में मेट्रो-3 का काम

तेज गति से चल रहा कार्य, दिसंबर में हो सकती है शुरू

प्रिया पांडे@नवभारत

मुंबई. मुंबई की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो-3 का काम तेज गति से चल रहा है. 30 सितंबर तक फेज 1 का काम 92.1% पूरा हो गया है. इस लाइन के साइनेज और फिनिशिंग का काम अपने अंतिम चरण पर है. मरोल नाका और एमआईडीसी स्टेशन एडवांस कंप्लीशन स्टेज पर है. साथ ही आरे का स्टेशन, जो जमीन के ऊपर है वो भी तैयार है. साइनेज का काम जुलाई 2023 को मेटल इंफ्रास्ट्रक्चर को दिया गया था. बता दें कि इस लाइन का पहला चरण दिसंबर 2023 में शुरू हो सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कुछ दिनों पहले इसकी घोषणा की थी. हालांकि कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है. मेट्रो का पहला चरण आरे कॉलोनी को बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) से जोड़ेगा और इस लाइन में 10 स्टेशन होंगे, जिनमें से 9 अंडरग्राउंड स्टेशन है. यह प्रोजेक्ट मुंबई मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है.

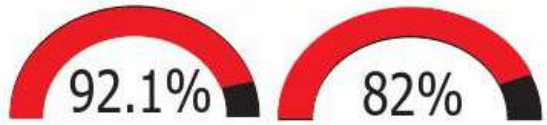

पूरा हुआ फेज-1 का काम

पूरा हुआ है फेज 2 का काम

प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर्स से होगा सज्ज

मेट्रो-3 का यूजीसी-7 पैकेज एलएंडटी और एसटीईसी के जॉइंट वेंचर के पास है, जो स्टेशन के सिविल कार्य, सिस्टम इंस्टॉलेशन और लाइन 3 के आर्किटेक्चरल फिनिशिंग कार्य पर काम कर रहा है. प्लेटफार्म सुरक्षित करने के लिए प्लेटफार्म और रेल के बीच प्लेटफार्म स्क्रीन डोर्स लगाए गए है. इसका गेट मेट्रो आने के बाद ही खुलेगा. इसका निर्माण भी पूरा हो चुका है. पैकेज यूजीसी-7, 4.157 किमी लंबी लाइन सीएसआईए टर्मिनल 2 और सारिपुत नगर रैंप को 3 स्टेशनों मरोल नाका, एमआईडीसी और सीप्ज के माध्यम से जोड़ता है. बता दें कि सितंबर के शुरुआत में एमएमआरसी ने यह जानकारी दी थी कि फेज 1 काम 91% पूरा हुआ है और फेज 2 का काम 82% पूरा हुआ है, जबकि कुल काम 84% पूरा हुआ है.

निर्बाध मोबाइल और इंटरनेट सेवा

- मेट्रो-3 के लिए टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने हेतु इन-बिल्डिंग सॉल्यूशंस के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है. यह कॉन्ट्रैक्ट सऊदी अरब के रियाद में स्थित ऐसेस की सहायक कंपनी ऐसेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दिया है. इससे यात्रियों को अब एक्वा लाइन रूट पर यात्रा के दौरान निर्बाध मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं मिलेंगी.
- बुधवार को एमएमआरसी की प्रबंध निदेशक अश्विनी भिड़े के साथ डीआईआर प्रोजेक्ट सुबोध गुप्ता और डीआईआर सिस्टम राजीव ने बीकेसी से एमआईडीसी स्टेशन तक मोटर ट्राली से यात्रा की और प्रोजेक्ट की समीक्षा की.
- आरे, सीप्ज, आईडीसी, मरोल नाका, इंटरनेशनल एयरपोर्ट, सहार रोड, डोमेस्टिक एयरपोर्ट, सांताक्रूज, विद्यानगरी और बीकेसी.